

24/3/14  
गोट प्रेम  
लुटेरु धारि  
24.3.21

कत्रापणी पैरा हरे अधिपत्य  
प्राची गे/ अधिपत्य प्राची  
हे- प्राचने- पत्र को गोट  
प्रेवा- ठेका/ शमा को मल/ प्राचणी  
कोट प्रेम के व्यापक कि 4/2/21  
पत्रापणी प्रेम/ शमा को मल/ प्राचणी  
इए कठोर को पत्र को मल/ प्राचणी  
का व्यापक इ 4/2/21

